राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

संख्या–71/2025

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने श्री सुधाँशु रंजन द्वारा लिखित पुस्तक ''रामधारी सिंह दिनकर : मन्यु एवं माधुर्य का संगम'' का विमोचन किया

पटना 17 जुलाई, 2025 :– माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खां ने राजभवन, पटना के दरबार हॉल में श्री सुधाँशु रंजन द्वारा लिखित पुस्तक ''रामधारी सिंह दिनकर : मन्यु एवं माधुर्य का संगम'' का विमोचन किया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जो साहित्य हमें परमात्मा के करीब लाये, आत्मज्ञान की अनुभूति अथवा आत्मबोध कराये तथा अपने आप से परिचित कराये, वही वास्तविक साहित्य है।

उन्होंने कहा कि यह संसार द्वन्द्व से भरा हुआ है और इसके बिना यह चल नहीं सकता है। इस संसार में अमृत और विष दोनों हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम यथासंभव विष के हिस्से को कम करें और अमृत के हिस्से को बढ़ायें। काव्य एवं संगीत व अन्य कलायें तथा सज्जनों की संगति को अमृत का स्रोत माना गया है।

राज्यपाल ने कहा कि द्वन्द्व हर किसी के जीवन में होता है। इन द्वन्द्वों के बीच से रास्ता निकालते हुए आदर्शों के प्रति निष्ठा और वफादारी तथा वास्तविकता के प्रति संवेदनशीलता के बीच सामंजस्य स्थापित होने पर ही कोई समाज आगे बढ़ता है। सनातन सिद्धांत आज भी हमारा मार्गदर्शन कर सकते हैं।

उन्होंने आदिकवि बाल्मीकि के एक कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि शोक और आत्मा पर आघात होने पर ही छंद बनता है। शोक से करूणा का भाव पैदा होता है। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' में काफी संवेदनशीलता थी।

राज्यपाल ने कहा कि जब आम व्यक्ति अपने रोजमर्रा की जिंदगी में जिस साहित्य की बातों को उद्धृत करने लगे, उसे क्लासिक साहित्य का दर्जा मिलता है। दिनकर जी ने अपने साहित्य के माध्यम से नौजवानों को प्रेरित किया है।

कार्यक्रम को बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री नंद किशोर यादव तथा बिहार विधान परिषद् के माननीय उप सभापति डॉ० रामबचन राय ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू एवं विमोचित पुस्तक के लेखक श्री सुधाँशु रंजन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

.....